सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

सन् 1919 ई० के आस-पास हिन्दी-काव्य में एक नवीन कविता धारा का जन्म हुआ जो छायावाद कहलाया। स्वच्छन्दता रहस्यात्मकता और वेदना इसके प्रमुख अवयव थे। छायावाद की परिभाषा विद्वान ने इस प्रकार दी — (i) जो समझ न आवे, वह छायावाद है (ii) प्रकृति में मानवीय तथा ईश्वरीय भावों के आरोप को ही छायावाद कहते हैं। डॉ० राम-विलास शर्मा —

छायावाद स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह नहीं रहा, वरन् थोथी

नैतिकता, रूढ़िवादी और सामन्ती साम्राज्यवादी बन्धनों के प्रति विद्रोह रहा है। परन्तु यह विद्रोह मध्यवर्ग के तत्वाधान में हुआ था। इसलिए इसके साथ मध्यवर्गीय असंगति पराजय और पलायन की भावना भी जुड़ी हुई है।

छायावादी का जन्म :—

छायावादी का जन्म युगीन परिस्थितियों की देन है। अंग्रेजी काव्य से प्रभावित होकर वह समय छायावाद का रूप ग्रहण किया।

छायावाद का अंत :—

Scanned with CamScanner

छायावादी काव्य में प्रतीकात्मकता तथा कल्पना का रूप इतना अधिक था कि वह प्राय: क्लिष्ट और दुर्बोध बन गया छायावाद का दृष्टिकोण वैज्ञानिक न होकर भावात्मक रहा और युग की तेजी से बदलती हुई संघर्ष पूर्ण परिस्थितियों में स्वस्थ जीवन - दर्शन प्रदान नहीं कर सका। इन्हीं कारणों से छायावाद, अधिक समय तक जीवित नहीं रह सका और उसकी राख पर प्रगतिवाद उठ कर खड़ा हो गया।

निराला जी के काव्य में वैयक्तिकता को अभिव्यक्ति मिलती है। जुही की कली में अकेला, राम की शक्ति पूजा सरोज स्मृति आदि। (i) देश - प्रेम की अभिव्यक्ति

(ii) सामाजिक चेतना
(iii) निराशा, वेदना, दु:खवाद एवं करुणा की विवृति (iv) प्रकृति के प्रति प्रेम
(v) नारी का विविधा एवं नवीन रूपों में चित्रण (vi) जीवन दर्शन (vii) संगीतात्मकता
(viii) अलंकार।

<u>निष्कर्ष</u>:— निराला छायावाद के प्रतिनिधि कवि हैं। वह छायावादी कवियों

में अग्रणी हैं। प्रस्तुत विधान को परम्परा के बंधनों से मुक्त किया। नवीन ढंग की अलंकारों की योजना की है तथा भाषा को संगीत संगीतात्मक बनाया। सारांश यह है कि निराला ने

नवीन दिशा और नवीन शक्ति देकर छायावाद को प्राणदान बनाया है।

कृतित्व

निराला का पूरा नाम – सूर्य कांत त्रिपाठी निराला
जन्म :- 1896, निधन :- 15 अगस्त 1961
राग – विराग का प्रकाशन वर्ष :- 1921 - 1966
पिता का नाम :- पं० रामसहाय त्रिपाठी
आदर्श :- रवीन्द्र नाथ टैगोर पत्नी – मनोहरा देवी, पुत्र :- रामकृष्ण पुत्री :- सरोज
पत्नि के मृत्यु का कारण :- इन्फ्लुएंजा
प्रथम कविता – संग्रह :- अनामिका (1922)
प्रथम सम्पादकिय पत्रिका :- समन्वय

मुक्त छंद में लिखित लंबी कविता – पंचवटी-प्रसंग
उपन्यास – अप्सरा, अलका, चमेली, निरूपमा
कहानी संग्रह :- लिली, परिमल, सखी, चतुरीचमार
सरोज का विवाह :- 1930 मृत्यु :- 1935
कविता संग्रह :- अनामिका, कुकुर मुत्ता, अर्चना ~~पत्रिका~~
पत्रिका संपादक :- समन्वय, मतवाला, सुधा, रंगीला।

Scanned with CamScanner